भगवान राम अयोध्या वापस आ गए हैं

22 जनवरी 2024 को राम लला के विग्रह रूप की प्राण प्रतिष्ठा के साथ भगवान श्री राम के लगभग 500 वर्षों के बाद अयोध्या लौटने पर शहर में हर साल करोड़ों पर्यटकों के आने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की **'विरासत भी, विकास भी'** की प्रतिबद्धता के कारण शहर में बहुत तेजी से विकास हुआ है, जिसके फलस्वरूप 140 करोड़ भारतीयों की आस्था मजबूत हुई है।

विरासत भी विकास भी

उम्मीद है कि इस साल के अंत तक हर दिन लगभग 3 लाख भक्तजन अयोध्या आएंगे

- 2024 के अंत तक अयोध्या धाम में **₹4 लाख करोड़** तक की कमाई का अनुमान
- बुनियादी ढांचे में सुधार और सांस्कृतिक जीर्णोद्धार से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से **रोजगार को बढ़ावा**

> ये राम के रूप में राष्ट्र चेतना का मंदिर है। राम भारत की आस्था हैं, राम भारत का आधार हैं। राम भारत का विचार हैं, राम भारत का विधान हैं। राम भारत की चेतना हैं, राम भारत का चिंतन हैं। राम भारत की प्रतिष्ठा हैं, राम भारत का प्रताप हैं।
>
> - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

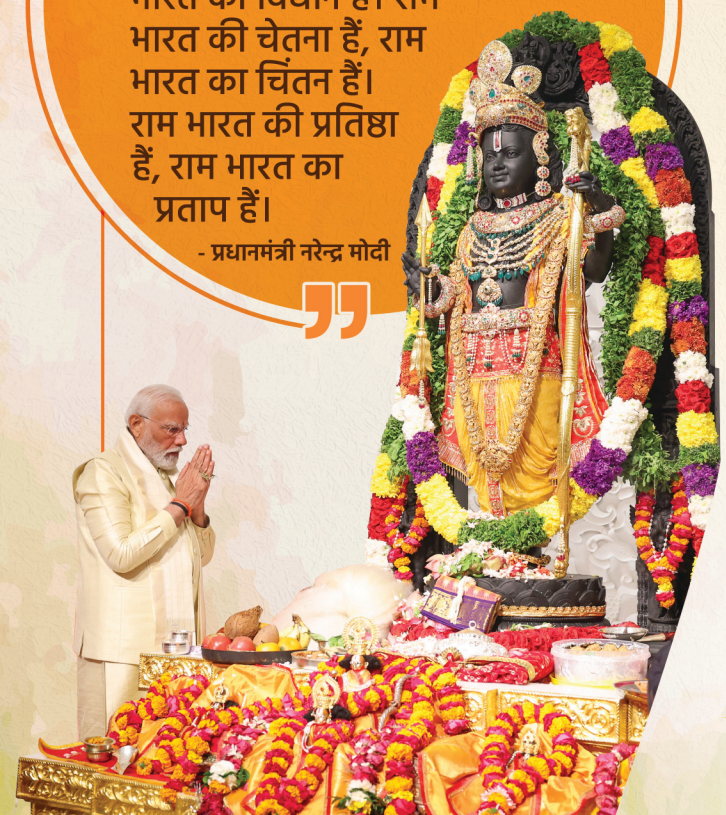

तीर्थयात्रियों के आगमन की तैयारी

अयोध्या धाम को वैश्विक पर्यटन केंद्र, आध्यात्मिक केंद्र और स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है

बुनियादी ढांचे का विकास

- समान आवास अवसर प्रदान करने के लिए **₹300 करोड़** की विशिष्ट कुंज आवासीय योजना की घोषणा
- वैदिक सिटी योजना के अंतर्गत **₹2,180 करोड़** की लागत से ग्रीनफील्ड इंटीग्रेटेड टाउनशिप विकसित

विकास पथ पर अयोध्या

रेलवे

अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन

- **प्रतिदिन 60,000 लोगों** को समायोजित कर सकता है
- **अत्याधुनिक सुविधाएँ**
- अयोध्या धाम को अन्य शहरों से जोड़ने वाली **वंदे भारत ट्रेन** और **प्रथम अमृत भारत ट्रेन की शुरुआत**
- **₹240 करोड़** की लागत से विकसित

महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा

600 यात्रियों को पीक ऑवर्स के दौरान समायोजित कर सकता है

- **₹1,450 करोड़** की लागत से पहले चरण का उद्घाटन
- दूसरे चरण में हवाई अड्डे की क्षमता **5 गुना** बढ़ाने का लक्ष्य **(प्रति वर्ष 10 लाख से अधिक यात्री)**

हवाई मार्ग

रोडवेज़

नव विकसित एवं सौंदर्यीकृत सड़कें

- **अयोध्या-सुल्तानपुर रोड और नया एनएच 27 लखनऊ-अयोध्या** खंड विकसित किया जा रहा है
- राम पथ, भक्ति पथ, धर्म पथ और श्री राम जन्मभूमि पथ का उद्घाटन

cbc 2201/13/0316/2324